कृपया प्रकाशनार्थ **29 सितंबर 2011**

करोडों का मुनाफा देनेवाले आरे रास्ते की मरम्मत क्यों नही?: राम नाईक

मुंबई, गुरुवार :हर साल टोल के माध्यम से महाराष्ट्र सरकार को करोडों का राजस्व देने वाला आरे कालनी का रास्ता अब खतरों और खड्डों से भरा है. फिर भी सरकार इसकी मरम्मत क्यों कर नही रही, ऐसा सवाल पूर्व पेट्रोलियम मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के नेता श्री. राम नाईक ने उठाया है.

महाराष्ट्र सरकार की इस मामले में कड़ी निंदा करते हुए श्री. राम नाईक ने कहा कि इस रास्ते के लिए टोल वसुल करने वाले ठेकेदार से हुए करार के अनुसार वह हर दिन लगभग देढ लाख रुपैयों का राजस्व सरकार की तिजोरी में जमा करता है. पिछले तीन वर्षों में इस तरह सरकार को रु. 17 करोड से भी अधिक राजस्व इस रास्ते के कारण मिला है. ठेकेदार को हुआ करोडो रुपैयों का मुनाफा इसके अतिरिक्त है. मगर इतना रुपैया कमानेवाले इस रास्ते पर आए दिन एक्सिडेंट होते रहते है. सिर्फ साडेसात किलोमीटर लंबे इस रास्ते की मरम्मत की सख्त जरुरत है, मगर सरकार ने करोडो कमाने के बावजूद मरम्मत पर पिछले वर्ष सिर्फ रु.36 लाख तो इस वर्ष अब तक केवल 10 लाख रुपैये खर्च किए है.

श्री. राम नाईक ने कहा कि ऐसा भी नही की राजस्व आने में देरी होती है. ठेकेदार वह राजस्व रोज सिधा जमा करता है, फिर भी सरकार ने आरे रास्ते के मरम्मत की कोई ठोस योजना नहीं बनायी है. एक ओर रोज-रोज हो रहे अकस्मात तो दुसरी ओर जिझिया कर जैसे वसुल हो रहे टोल के कारण जनता परेशान है. अब चूंकि बारीश खत्म हुआ है, मरम्मत न करने के लिए सरकार के पास कोई बहाना नहीं बचा है. ''अकलमंदी तो इसी में है कि रास्ते के सुधार के लिए सरकार तुरंत प्रारंभ करें वरना क्रोधित जनता आंदोलन करेगी'', ऐसी चेतावनी भी श्री. राम नाईक ने दी.

(कार्यालय मंत्री)